भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 42*

25 जून, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि को बढ़ावा देना

***42. श्री राजकुमार चाहरः**

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा फतेहपुर-सीकरी, जो दुर्गम तथा अर्ध-शुष्क क्षेत्र है, सहित विशेष आवश्यकता वाले क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने हेतु कोई योजना बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या अधिक उपज तथा पानी की कम आवश्यकता वाले क्षेत्रों के लिये किन्हीं नई किस्मों के बीजों को विकसित किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'कृषि को बढ़ावा देने' के संबंध में दिनांक 25 जून, 2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 42 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) कृषि राज्य का विषय है। भारत सरकार देश में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों को सहायता और सुविधा प्रदान करती है। डीएसीएंडएफडब्ल्यू की सभी योजनाएं कठिन भू-भाग और अर्ध शुष्क क्षेत्रों सहित विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए देश भर में कार्यान्वित की जाती हैं। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण योजनाएँ हैं - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, समेकित बागवानी विकास मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-किसान, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता प्रबंधन परियोजना, कृषि विस्तार उप-मिशन, बीज और रोपण सामग्री उप-मिशन, कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन, समेकित कृषि विपणन योजना इत्यादि।

आगरा जिले में निम्नलिखित कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं:

(i) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के कुछ घटक जैसे एनएफएसएम - दलहन, एनएफएसएम - मोटे अनाज (जौ) और एनएफएसएम -पोषक अनाज
(ii) समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच)
(iii) वर्ष 2016-17 और 2018-19 के बीच सूक्ष्म सिंचाई के तहत 804 हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है।
(iv) पहले और दूसरे चरण के दौरान क्रमशः 372484 और 328501 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए हैं।

(ख) एवं (ग) पिछले 5 वर्षों के दौरान (मई 2014 से अब तक), विभिन्न अखिल भारतीय समन्वित शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान परियोजनाओं (एआईसीआरपी) के तहत कुल 1014 दवाब सहय, उच्च उत्पादक, उन्नत गुणवत्ता, कृषि-जलवायु क्षेत्र विशिष्ट कृषि फसल किस्मों का विकास किया गया है जिनमें फसल आधारित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थान और राज्य कृषि विश्वविद्यालय (एसएयू) शामिल हैं। आईसीएआर, एसएयू और अन्य द्वारा विकसित सूखा सहय किस्म, जैसे कि तिल (शेखर, एचटी-01), क्लस्टर बीन (आरजीसी-1025; आरजीसी-1002), सरसों (गिरिराज डीआरएमआरआईजे-31) प्रदर्शित की जाती हैं। इन किस्मों को डीएसीएंडएफडब्ल्यू के विभिन्न फसल विकास कार्यक्रमों/योजनाओं के तहत सहायता प्रदान की जा रही है।

उच्च गुणवत्ता वाली इनपुट की आपूर्ति करने वाली कृषि तकनीक जिसमें अधिक उपज दे सकने वाली और पानी की कम आवश्यकता वाली बीज किस्में, जो वर्षासिंचित स्थितियों में अच्छी उपज दे सके, किसानों को महत्वपूर्ण खरीफ और रबी फसलों के लिए अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में बेहतर उत्पादन और उत्पादकता के लिए उपलब्ध कराई जाती हैं।

******